



भारतीय ऊर्जा वनिमिय खरीद

प्रलिस के लयः

भारतीय ऊर्जा वनिमिय खरीद, वदियुत अधनियम, 2003, केंद्रीय वदियुत वनियामक आयोग

मेन्स के लयः

डसिकॉम का वनियामन और भारत के वदियुत क्षेत्र का महत्त्व

चर्चा में क्यों?

हाल ही में तेलंगाना की वदियुत उपयोगिताओं (डसिकॉम) के प्रबंधन को वदियुत खरीद के लयः [इंडियन एनर्जी एक्सचेंज \(IEX\)](#) के साथ डे-अहेड मार्केट (DAM) में भाग लेने से प्रतबंधित कर दिया गया।

- डसिकॉम द्वारा भुगतान कयि जाने के बावजूद उन पर प्रतबंध इस आधार पर लगाया गया कि उन्होंने **जेनकोस (एक पावर जनरेटर कंपनी) को बकाया का भुगतान नहीं कयि था।**
- हालाँकि कयि गए भुगतान से संबंधित खतों का मलिन करने के बाद अब प्रतबंध हटा लिया गया है।

प्रतबंध के संदर्भ में

- राष्ट्रीय भार प्रेषण केंद्र (National Load Despatch Centre-NLDC)** ने संबंधित खतों का जेनकोस के खतों के साथ मलिन कयि बना ही **ऊर्जा खरीद (Energy Procurement)** में तेलंगाना (डसिकॉम) द्वारा बोली लगाने पर प्रतबंध लगा दिया।
 - तेलंगाना (डसिकॉम) ने प्रतबंध लगाने से पहले एजेंसी द्वारा बताए गए 1,381 करोड़ रुपए के बकाया में से 1,360 करोड़ रुपए का भुगतान कर दिया है।
- डसिकॉम के अनुसार, एजेंसी वर्तमान में लागू **वदियुत अधनियम, 2003** के अधदेश से परे कार्य कर रही थी।
 - वर्ष 2003 के अधनियम के अनुसार, एजेंसी को केवल ग्रिड नियम बद्धता की नगिरानी और रख-रखाव करना चाहयि न कि अपने वर्तमान एकतरफा नरिणय जैसे कसि भी व्यावसायिक गतविधि में शामिल होना चाहयि।
- आधिकारिक तौर पर 19 अगस्त, 2022 को प्रतबंध हटा लिया गया था,** जिससे डसिकॉम को वदियुत की खरीद की अनुमति मिल गई है।

इंडियन एनर्जी एक्सचेंज

- परचियः**
 - इंडियन एनर्जी एक्सचेंज अथवा भारतीय ऊर्जा एक्सचेंज देश में **वदियुत के भौतिक वतिरण, नवीकरणीय ऊर्जा प्रमाण-पत्र** और **ऊर्जा बचत प्रमाण-पत्र** के लयः **राष्ट्रव्यापी, स्वचालित व्यापार मंच प्रदान करने वाला पहला** और सबसे बड़ा ऊर्जा एक्सचेंज है।
 - यह एक्सचेंज **उचित मूल्य नरिधारण में सकषम बनाता है** और व्यापार नषिपादन की गति तथा दक्षता को बढ़ाते हुए भारत में **ऊर्जा बाज़ार तक पहुँच एवं पारदर्शिता में वृद्धि करता है।**
 - यह **'नेशनल स्टॉक एक्सचेंज' (NSE)** और **'बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज' (BSE)** के साथ सार्वजनिक रूप से सूचीबद्ध कंपनी है।
 - यह **केंद्रीय वदियुत नयामक आयोग (CERC)** द्वारा अनुमोदित और वनियामित है जो वर्ष 2008 से कर रहा है।
- मशिनः**
 - उपभोक्ताओं को वहनीय, वशिवसनीय ऊर्जा प्रदान करने के लयः पारदर्शी एवं कुशल ऊर्जा बाज़ार स्थापति करने में **प्रोद्योगिकी एवं नवाचार की उपस्थिति का लाभ उठाना।**
- व्यापारिक मंचः**
 - ऊर्जा बाज़ारः**
 - डे-अहेड मार्केट (DAM):**
 - यह मध्यरात्रि से शुरू होने वाले अगले दिन के 24 घंटों में कसि भी/कुछ/पूर्ण समय के वतिरण हेतु भौतिक वदियुत व्यापार

बाज़ार है।

- **टर्म-अहेड मार्केट (TAM):**
 - TAM के तहत यह अनुबंध 11 दिनों की अवधि के लिये वदियुत के करय/वकिरय की सीमा को कवर करता है।
 - यह प्रतभागियों को दैनिक अनुबंधों के माध्यम से सात दिनों के रोलिंग हेतु दैनिक आधार पर अगले दिन के लिये इंटरा-डे अनुबंधों के माध्यम से उसी दिन वदियुत के करय में सक्रम बनाता है।
- **रथिल टाइम मार्केट:**
 - बाज़ार में प्रत्येक 30 मनिट में एक नया नीलामी सत्र आयोजति होता है, जसिमें 4 टाइम ब्लॉक्स या नीलामी बंद होने के एक घंटे बाद वदियुत की आपूरत की जाती है।
 - वदियुत की कीमत और मात्रा द्वपिक्षीय एवं बंद नीलामी प्रकरयि के माध्यम से नरिधारति की जाती है।
- **सीमा पार वदियुत व्यापार:**
 - वदियुत के क्षेत्र में सीमा पार एक एकीकृत दकषणि एशियाई वदियुत बाज़ार के नरिमाण की दशिा में भारतीय वदियुत बाज़ार का वसितार करने का एक प्रयास है
 - ग्रडि से जुड़े दकषणि एशियाई देश जैसे नेपाल, भूटान और बांग्लादेश वनिमिय परडे फॉरवर्ड मार्केट और टर्म फॉरवर्ड मार्केट में भाग ले सकेंगे।
- **ग्रीन मार्केट:**
 - **ग्रीन टर्म अहेड मार्केट:**
 - ग्रीन-टर्म अहेड मार्केट (G-TAM), CERC की मंजूरी के बाद अक्षय ऊर्जा में व्यापार के लिये उपलब्ध एक नया बाज़ार है।
 - नए बाज़ार खंड में शामिल अनुबंध हैं:
 - ग्रीन-इंटरा डे
 - ग्रीन-डे-अहेड कांटेनजेनसी (DAC)
 - ग्रीन-डेली और ग्रीन-वीकली।
 - ग्रीन-इंटरा डे, ग्रीन-DAC और ग्रीन-डेली अनुबंध हेतु मैचिंग मैकेनिज्म नरितर/तवरति व्यापार की व्यवस्था, जबकि ग्रीन-वीकली के लिये द्वपिक्षीय एवं खुली नीलामी की प्रकरयि लागू की जानी है।
 - **ग्रीन-डे-अहेड मार्केट:**
 - ग्रीन डे फॉरवर्ड मार्केट अगले दिन अक्षय ऊर्जा में अनामकिता और द्वपिक्षीय बंद सामूहकि नीलामी की प्रकरयि को नरिधारति करता है।
 - यह वनिमिय, पारंपरकि और नवीकरणीय उत्पादों के लिये अलग-अलग बडिगि वडिो के माध्यम से एकीकृत माध्यम से बोलयिों को आमंत्रति करता है।
 - पारंपरकि खंड के बाद ट्रांसमशिा कॉरडिोर की उपलब्धता पर वचिर करते हुए, अनविरय रूप से नवीकरणीय खंड में क्रमकि समाशोधन होता है।
- **प्रमाणपत्र बाज़ार:**
 - **अक्षय ऊर्जा प्रमाणपत्र (REC):**
 - REC तंत्र के तहत, एक उत्पादक देश के कसिी भी हसिसे में अक्षय संसाधनों के माध्यम से वदियुत उत्पादन कर सकता है।
 - वदियुत के हसिसे के लिये उत्पादक कसिी भी पारंपरकि स्रोत से लागत के बराबर मूल्य प्राप्त करता है, जबकि पर्यावरण वशिषता को बाज़ार नरिधारति मूल्य पर वनिमिय के माध्यम से बेचा जाता है।
 - देश के कसिी भी हसिसे से बाध्य संस्थाएँ इन REC को अपने नवीकरणीय खरीद दायतिव (RPO) अनुपालन को पूरा करने के लिये करय कर सकती हैं।
 - बाध्य संस्थाएँ या तो अक्षय ऊर्जा का करय कर सकती हैं या संबधति राज्यों के RPO के तहत अपने RPO को पूरा करने के लिये REC खरीद सकती हैं।
 - **ऊर्जा बचत प्रमाणपत्र (ESCerts):**
 - ये ऊर्जा दकषता बयुरो (BEE) की प्रदर्शन, उपलब्धि, व्यापार (PAT) योजना के तहत व्यापार-योग्य प्रमाण पत्र हैं।
 - यह बड़े ऊर्जा-गहन उद्योगों में ऊर्जा दकषता को प्रोत्साहति करने के लिये बाज़ार आधारति तंत्र है।

वदियुत अधनियिम, 2003 और केंद्रीय वदियुत नयिामक आयोग:

- **वदियुत अधनियिम 2003:**
 - वदियुत अधनियिम, 2003 वदियुत क्षेत्र को वनियिमति करने वाला केंद्रीय कानून है।
 - इस अधनियिम में केंद्र और राज्य दोनों स्तरों (CERC और SERCs) पर वदियुत नयिामक आयोग का प्रावधान कयिा गया है।
 - इन आयोगों के कार्यों में शामिल हैं:
 - टैरफि का वनियिमन और नरिधारण
 - प्रसारण के लिये लाइसेंस जारी करना
 - वतिरण और वदियुत का व्यापार
 - अपने-अपने क्षेत्राधिकार के भीतर वविादों का समाधान।
- **केंद्रीय वदियुत नयिामक आयोग:**
 - CERC भारत में वदियुत क्षेत्र का नयिामक है।

- यह थोक वदियुत बाज़ारों में प्रतस्पर्द्धा, दक्षता और अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने, आपूर्तकी गुणवत्ता में सुधार, नविश को बढ़ावा देने और सरकार की मांग आपूर्तअंतर को कम करने हेतु संस्थागत बाधाओं को दूर करने की सलाह देता है।
- यह वदियुत अधनियम, 2003 के तहत अर्ध-न्यायकि स्थिति के साथ कार्यरत एक वैधानकि नकियाय है।

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्षों के प्रश्न (PYQs)

प्र. सरकार की एक योजना 'उदय' का उद्देश्य नमिनलखिति में से कौन सा है? (2016)

- (a) ऊर्जा के नवीकरणीय स्रोतों के क्षेत्र में स्टार्ट-अप उदयमयिों को तकनीकी और वत्ततीय सहायता प्रदान करना।
- (b) वर्ष 2018 तक देश के हर घर तक वदियुत पहुँचाना।
- (c) समय के साथ कोयला आधारति वदियुत संयंत्रों को प्राकृतकि गैस, परमाणु, सौर, पवन और ज्वारीय वदियुत संयंत्रों से बदलना।
- (d) वदियुत वत्तिरण कंपनयिों के वत्ततीय बदलाव और पुनरुद्धार प्रदान करना। (to provide for)

उत्तर: (d)

व्याख्या:

- वदियुत मंत्रालय द्वारा उज्जवल डिसिकॉम एश्योरेंस योजना (UDAY) शुरू की गई थी। इसका उद्देश्य राज्य वदियुत वत्तिरण कंपनयिों (DISCOMS) को वत्ततीय और परचालन रूप से स्वस्थ बनाने में मदद करना है ताकि वे सस्ती दरों पर पर्याप्त वदियुत की आपूर्तकिर सकें।
- इसमें वत्ततीय बदलाव, परचालन सुधार, वदियुत उत्पादन की लागत में कमी, नवीकरणीय ऊर्जा के विकास, ऊर्जा दक्षता और संरक्षण की परकिलपना की गई है।
- यह योजना वत्ततीय और परचालन रूप से मजबूत DISCOMs, वदियुत की बढ़ती मांग, उत्पादन संयंत्रों के प्लांट लोड फैक्टर (PLF) में सुधार, स्ट्रेस्ड एसेट्स में कमी, सस्ते फंड की उपलब्धता, पूंजी नविश में वृद्धि, नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र के विकास को प्रभावति करने का प्रयास करती है।

अतः वकिल्प (d) सही है।

स्रोत: द हनिद्रु

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/indian-energy-exchange-procurement>